

## तेरे दर को छोड़ के किस दर जाऊँ मैं

निसदिन सुमिरन ही करूँ, राम राम श्री राम,

तेरे दर को छोड़ के, किस दर जाऊँ मैं,

देख लिया जग सारा मैंने, तेरे जैसा मीत नहीं।  
तेरे जैसा सबल सहारा, तेरी जैसी प्रीत नहीं।  
किन शब्दों में आपकी महिमा गाऊँ मैं॥

अपने पथ पर आप चलूँ मैं, मुझ में इतना ग्यान नहीं।  
हूँ मति मंद नयन का अंधा, भला बुरा पहचान नहीं।  
हाथ पकड़ कर ले जाओ, ठोकर खाऊँ मैं॥

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/489/title/tere-dar-ko-chod-ke-kis-dar-jaaun-main>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |